तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 29.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 17 मई 2026

10 छात्रा नेहा ने 96.4% अंक प्राप्त कर स्कूल में....

12 अरनव ने हेड ब्वाय और राधिका ने ली हेड गर्ल की शपथ

Affiliation No. 530414
School Code 40402

।। ओ३म् ।।

Mob. 9729606705, 9729642632

Indus Public School, Jind

Creating Toppers, Building Futures

MERITORIOUS STUDENTS OF CLASS 12th (SESSION 2025-26)

Anusha (96.4%)
Distt. Topper in Non Medical

Asha (97.2%)
3rd District Topper in Arts

Aarush (96.6%)
2nd Distt. Topper in Commerce

Abhinav (95.8%)

Khushi (95.8%)

Chirag (95.4%)

Vanshika (95.4%)

Kavya (95.2%)

Priyanshi (95%)

Harshita (95%)

Janvi (95%)

— Subject Wise Highest —

English	- 100	Business Studies	- 98
Political Sc.	- 100	Physical Edu.	- 98
Music	- 100	Geography	- 97
Painting	- 100	History	- 97
Accountancy	- 99	Physics	- 96
Economics	- 99	Mathematics	- 96
Chemistry	- 98	Biology	- 96
		Psychology	- 95

Best Result in District Jind
82 Students Secured above 85% Marks

Vishakha (94%)

Muskan (93.8%)

Antima (93.8%)

Vandana (93.4%)

Gaurika (93.2%)

Parul (93.2%)

Vanshika (93%)

Aryan (92.8%)

Rohan (92.8%)

Sakshi (92.8%)

Sakshi (92.6%)

Sakshi (92.4%)

Aayush (92.2%)

Kanupriya (91.8%)

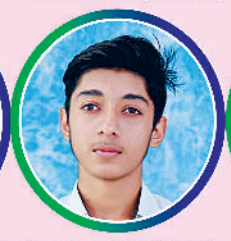

Sushant (91.8%)

Pranav (91.8%)

Tanisha (91.6%)

Niraj (91.4%)

Aditya (91.4%)

Mahak (91.2%)

Shiya (91%)

Bhavya (90.6%)

Shorya (90.4%)

Shiwani (90.2%)

Rishu (90.2%)

Yashika (90.2%)

Kamaldeep (90%)

Ananya (90%)

Preet (90%)

Jatin (90%)

Rudraksh (90%)

Tanisha (90%)

Anshika (90%)

Drishti (90%)

Shubham (89.4%)

Aditi (89.2%)

Pari (89.2%)

Jiya (89.2%)

Ridham (89.2%)

Maahi (89%)

Prarthana (89%)

Parth (88.8%)

Palak (88.6%)

Jitesh (88.4%)

Ashish (88.2%)

Reshant (88.2%)

Anjali (88.2%)

Ishant (88.2%)

Vishesh (88.2%)

Khushboo (88.2%)

Divya (87.6%)

Vani (87.4%)

Mohit (87.4%)

Hardik (87.2%)

Muskan (87%)

Anuj (86.8%)

Preetish (86.6%)

Naevaedya (86.6%)

Kartik (86.2%)

Ansh (86.2%)

Shubham (86.2%)

Atishay (85.8%)

Yug (85.8%)

Sanya (85.8%)

Noor (85.6%)

Rashi (85.6%)

Bajrang (85.2%)

Aditi (85%)

Shobhit (85%)

Amit (85%)

Nikita (85%)

Congratulations! Parents, Staff and Students for Commendable performance.

Above 95%	Above 90%	Above 80%	Above 75%
11	45	125	167

Attractive Scholarship Scheme available for students scoring above 85% marks in Class 10th

खबर संक्षेप

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी नरवाना में आज

नरवाना। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी 17 मई रविवार को नरवाना में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। कैबिनेट मंत्री 17 मई को प्रातः नौ बजे नरवाना स्थित अपने निवास स्थान पर जन समस्याएं सुनेंगे और मौके पर ही समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देंगे। तत्पश्चात कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में साढ़े दस बजे प्रतिभावान छात्र कार्यक्रम में शामिल होंगे।

विधायक अत्री ने पेश की सादगी की मिसाल

उचाना। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी की तरह भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने भी सादगी की मिशाल पेश की। बस में सफर करते टिकट लेकर बस में सफर किया। सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा भी करीब पांच महीने पहले डेराबसी से अंबाला तक टिकट लेकर बस में सफर कर चुके है। ऐसे ही विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा जींद से उचाना तक बस में टिकट लेकर सफर करते हुए आमजन से अपील की है कि वो पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करें। पेट्रोल, डीजल के वाहनों में सफर न करें। इलेक्ट्रिक वाहनों में सफर करें।

11वीं में रिक्त सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

उचाना। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बुडायन में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 11वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विज्ञान संकाय में 16 तथा कला संकाय में 24 रिक्त सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे। इच्छुक अभिभावक एवं विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक विद्यालय में संपर्क कर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया पूर्णत पारदर्शी एवं केंद्रीय विद्यालय संगठन के नियमों के अनुसार संपन्न की जाएगी। आवेदन पंजीकरण 16 मई से प्रारंभ होकर 24 मई तक किया जाएगा।

रामनिवास जैन चौथी बार बने तेरापंथ भवन के प्रधान

उचाना। उचाना पुरानी मंडी में श्री जैन श्वेताबर तेरापंथ भवन में जैन समाज के लोगों की मीटिंग हुई। सर्वसम्मति से रामनिवास जैन को दो साल के लिए प्रधान मनोनित किया। वो चौथी बार प्रधान चुने गए है। जैन ने कहा कि जो जिम्मेदारी दी गई है उसे निष्ठा से निभाने का काम करेंगे। इस मौके पर राजेश जैन, सुरेश जैन, जसपाल जैन, वीरेंद्र जांगड़ा, बलवान जांगड़ा, सतपाल बुडायन, दीपक पार्षद, प्रेम जैन, रामकरण जैन, मनोज जैन, अन्नू जैन, कुलदीप जैन मौजूद रहे।

देशभक्ति को लेकर प्रतियोगिताएं हुई

जींद। स्थानीय महाराजा अग्रसेन कवमवि में सरकार के निर्देशानुसार 14 से 16 मई तक स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त और गणतंत्र दिवस 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों के अवसर पर देशभक्ति एकता और गौरव की भावना को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को देश के इतिहास, संस्कृति और संविधान से परिचित कराना है। नर्सरी, एलकेजी व यूकेजी के बच्चे देशभक्ति के थीम से संबंधित पेंटिंग बना कर लाए। पहली व दूसरी कक्षा के बच्चे तिरंगा झंडा बना कर लाए। तीसरी व चौथी के बच्चों ने देशभक्ति से संबंधित कविता पाठ उच्चारण में भाग लिया।

पोर्टल से जमीन खरीदने एक्वायर की प्रक्रिया शुरू

जींद। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण जींद के प्रशासक सत्यवान सिंह मान ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा शहर के डेवलप्मेंट प्लान के अनुरूप रिहायशी, व्यावसायिक एवं संस्थागत सेक्टरों के विकास के लिए ई भूमि पोर्टल के माध्यम से भूमि खरीदने, एक्वायर करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि ई भूमि पोर्टल के जरिये भूमि खरीदने हेतु भूमालिकों एवं एग्रीग्रेटरों के लिए विगत एक मई से 30 जून तक दूसरे चरण के अंतर्गत अपनी भूमि का विवरण पोर्टल पर अपलोड करने की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

एसबीएम पब्लिक स्कूल काकड़ोद का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

छात्रा नेहा ने 96.4% अंक प्राप्त कर स्कूल में अव्वल स्थान पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

काकड़ोद के एसबीएम पब्लिक स्कूल काकड़ोद के विद्यार्थियों ने 10वीं, 12वीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते विद्यालय का नाम रोशन किया। 10वीं कक्षा की छात्रा नेहा शर्मा ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। 12वीं कक्षा की छात्रा काजल ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्राचार्या प्रिया श्योकंद ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और अच्छी शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। प्रबंध निदेशक सुनील श्योकंद ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सदैव वचनबद्ध है। राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल उचाना मंडी का 10वीं, 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शानदार रहने पर शहर में अव्वल रही छात्राओं को फूल मालाएं पहना कर जुलूस निकाला गया। कार्यकारी इंचार्ज राजेश मलिक ने कहा कि निरंतर

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भौंगरा का परीक्षा परिणाम शानदार

स्कूल की छात्राएं स्थान प्राप्त करके स्कूल, माता-पिता एवं क्षेत्र का नाम रोशन कर रही है। 12वीं कक्षा में 67 मेरिट, 64 प्रथम श्रेणी में नाम दर्ज छात्राओं ने करवाया। 10वीं में 19 मेरिट, 38 प्रथम श्रेणी में नाम दर्ज करवाया। 12वीं में 95 प्रतिशत अंक लेकर स्नेहा प्रथम, 94.4 प्रतिशत अंक लेकर इत्ति द्वितीय, 94 प्रतिशत अंक लेकर रूबि ने तृतीय स्थान पाया। 10वीं में 90.2 प्रतिशत अंक लेकर अलशिपा प्रथम, 89.6 प्रतिशत अंक लेकर अफसना द्वितीय, 88.4 प्रतिशत अंक लेकर जानम तृतीय रही। होनहार छात्राओं को स्कूल को गर्व है जिन्होंने स्कूल का नाम रोशन किया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भौंगरा की कक्षा 12वीं,10वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 100 प्रतिशत रहा। निगरानी कमेटी की अगुवाई में ट्रैक्टर पर सवार होकर प्रतिभावान मेरिट प्राप्त कक्षा 12वीं के 43, दसवीं के 18 मेरिट प्राप्त बच्चों को शोभा यात्रा में शामिल करते हुए पूरे गांव की परिक्रमा की गई। प्रिंसिपल प्रवेश खापड़ा ने बताया कि की कक्षा 12वीं में 141 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जिसमें से मेरिट 43 और प्रथम श्रेणी 69 रही। दसवीं में परीक्षार्थी 88 थे जिसमें मेरिट 18, प्रथम श्रेणी 42 रहे। इस अवसर पर मांगेराम, राजबीर , सत्यनारायण, कृष्ण , गुलशन, इंदिरा, सतीश, नरेश, पं. धर्मचंद, नवीन , संगीता, शैलेंदा, पवन आदि मौजूद रहे।

मेधावी विद्यार्थियों का भव्य सम्मान

राजकीय वमावि काब्रच्छा में दसवीं एवं बारहवीं कक्षा का बोर्ड परीक्षा परिणाम अत्यंत शानदार रहा। बारहवीं कक्षा के तीनों संकायों में कुल 72 विद्यार्थियों में से सभी 72 विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे तथा 32 विद्यार्थियों ने मैरिट सूची में स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के कला संकाय के छात्र उज्ज्वल ने 500 में से 495 अंक प्राप्त कर जिले के सरकारी विद्यालयों में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय एवं गांव का नाम गौरवान्वित किया। दसवीं कक्षा में 76 विद्यार्थियों में से 75 विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे तथा 21 विद्यार्थियों ने मैरिट प्राप्त की। छात्र कर्मजीत ने 500 में से 468 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

साइबर ठगों ने किसान से 98 हजार ठगे, केस

कैथल। साइबर ठगों द्वारा ककराला के किसान परिवार से 98 हजार की साइबर ठगी का मामला प्रकाश में आया है। ठग ने खुद को आढ़ती बताकर किसान को झांसे में लिया व अलग-अलग नंबरों पर 98 हजार ट्रांसफर करवा लिए। ककराला के लखवीर सिंह ने साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका खाता सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक में है और उनके मोबाइल नंबर से बैंक खाता पंजीकरण है। 5 मई को शाम करीब 5:30 बजे उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप कॉल आई, जिसे उनकी पत्नी ने उठाया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को उनका आढ़ती बताया और कहा कि गलती से उसके पैसे खाते में ज्यादा चले गए हैं तथा उसकी पत्नी अस्पताल में भर्ती है, इसलिए तुरंत पैसे वापस भेजने की जरूरत है। उस समय लखवीर सिंह घर पर नहीं थे, उनकी पत्नी ने कहा कि उनके आने पर पैसे लौटा दिए जाएंगे।

सरकार लोगों की जेब पर डाल रही डाका : हैबतपुर

■ महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का 20 को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कांग्रेस जिला कार्यालय में शनिवार को जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की । अध्यक्षता कांग्रेस के जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर ने की। संगठनात्मक मजबूती, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते 20 मई को जींद जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। बैठक को संबोधित करते जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। कहा कि वर्तमान सरकार लगातार पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, रसोई गैस सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दामों में बढ़ोत्तरी करके आम आदमी की कमर तोडऩे का काम कर रही है। महंगाई की मार से गरीब, किसान, मजदूर, कर्मचारी और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है सरकार जनता की परेशानियों से पूरी तरह बेखबर बनी हुई है। कहा कि आज हर घर का बजट बिगड़ चुका है। रसोई गैस सिलेंडर के दाम आसमान छू रहे हैं। पेट्रोल व डीजल महंगा होने से परिवहन खर्च बढ़ गया है। जिसका असर हर वस्तु की कीमत पर पड़ रहा है। भाजपा सरकार ने जनता से राहत देने के बड़े-बड़े वादे किए थे लेकिन आज स्थिति यह है कि लोगों के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है। कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर इस अन्याय के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि भाजपा सरकार केवल प्रचार और दिखावे की राजनीति कर रही है। रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि 20 मई को जिला मुख्यालय पर होने वाले प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आमजन भाग लेंगे। प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेगी। बैठक में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जींद। बैठक को संबोधित करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर।

विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन और लघु नाटिका के माध्यम से संवेदनाओं को किया व्यक्त

■ आधारशिला पब्लिक स्कूल में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आधारशिला पब्लिक स्कूल में कक्षा पांचवीं के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा पांचवीं के बच्चों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। सभी अभिभावकों का तिलक लगा कर व फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि की भूमिका में जींद के राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने शिरकत की। इसमें विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन,

लघु नाटिका इत्यादि के माध्यम से अपनी संवेदनाओं को अभिव्यक्त किया। किसी भी धर्म विशेष से ऊपर इंसानियत विषय पर प्रस्तुति ने वहां उपस्थित सभी दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में अभिभावकों के लिए भी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया । इसमें सभी ने अहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी अभिभावकों ने इस दिन को खास बनाने के लिए विद्यालय का आभार व्यक्त किया व बच्चों की सभी प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। अपने संबोधन में निदेशिका अंजू सिहाग ने बताया कि बच्चों में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर किया जाना चाहिए। विद्यालय का उद्देश्य सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान देना नहीं है अपितु विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान देकर एक अच्छे नागरिक के रूप में भी तैयार करना होता है। प्रधानाचार्य सतवीर सिंह गहलावत ने कहा कि आधारशिला विद्यालय में अनुभवी विषय विशेषज्ञों द्वारा गुणवतापूर्ण शिक्षा का प्रावधान है।

जींद। जयंती देवी मंदिर में शनिदेव जयंती पर तेल अर्पित करते श्रद्धालु।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई शनि देव जयंति

जींद। जिलाभर में शनिवार को शनि जयंति श्रद्धा के साथ मनाई गई। श्रद्धालुओं ने न्याय के देवता की पूजा की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर भगवान शनिदेव का जन्म हुआ था। भगवान शनि देव न्याय के देवता हैं जो हमारे कर्मफलों का फल देते हैं। इसलिए प्रति वर्ष ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर श्रद्धालु न्याय के देवता कहने जाने वाले शनिदेव की जयंती मनाते हैं। जयंति देवी मंदिर, शनि देव मंदिर में श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव की विधिवत रूप से पूजा अर्चना की और उनके मंत्रों का जाप किया। ऐसा करने से शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आती है और सभी कष्ट दूर होते हैं। वहीं महिलाएं भी इस दिन पति की लंबी आयु के लिए वट सावित्रि व्रत भी रखती हैं। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि ज्येष्ठ मास की अमावस्या के दिन ही शनि देव का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन व्रत और विशेष पूजा.अर्चना करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं। शनिवार को शनि जयंति पर श्रद्धालुओं ने मंदिर में भगवान शनि देव की पूजा की।

अमर शहीद सुखदेव के जन्म दिवस पर ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित

आजादी के मतवालों को वो मिला नहीं सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राष्ट्रीय कवि संगम के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल के मार्गदर्शन में अमर शहीद सुखदेव के जन्म दिवस पर ऑनलाइन काव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. अशोक बत्रा ने की। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत सुमन लता सुमन द्वारा गाई गई सरस्वती वंदना से हुई। तकनीकी कामकाज की देखरेख डा. विकास यश कीर्ति प्रांतीय महामंत्री की रही। निर्मल वत्स गोहाना के मुक्तदेशभक्ति का वे जुनून ऐसा जगा गए, सुप्त शोले देश में अंगार बनने लगे। लोक कवियत्री कमलेश गोयत की हृदय स्पर्शी रागनी, जगदीश पांचाल पोली वाले का ऐतिहासिक तथ्यों से भरपूर गीत आजादी के

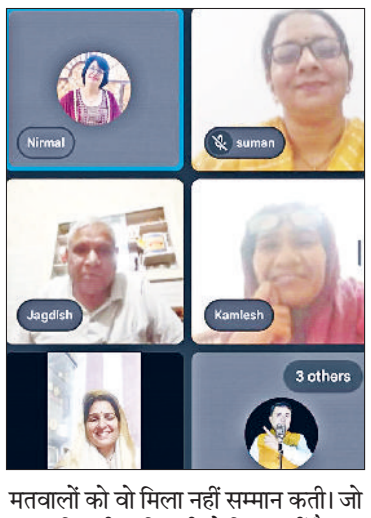

मतवालों को वो मिला नहीं सम्मान कती। जो इज्जत मिलनी चाहिए थी वो मिला नहीं है मान कती। कार्यक्रम में चार चांद लगाने वाले रहे। रोहतक से पवन मित्तल ने गाया कि अमर शहीद सुखदेव करुं वंदन सौ-सौ बार तनै, राजगुरु और भगत सिंह भी कह्या करैं थे यार तनै। राजकुमार नैन ने हरियाणवी में गाया भारत माँ के वीर सपूतों तुम्हें कोटि-कोटि नमस्कार। देश की खातिर मर मिटे थारी हो रही जय जयकार। रानी सोनिया पांचाल के दोहे आज वीर सुखदेव को, मिलकर करते याद। भारत मां के लाडले सदा रहें आबाद सराहनीय रहे। पंकज मलिक भिवानी की कविता गिर कर जो उठ जाए, उसने ही जग जाना है। सांसों का मतलब क्या, यदि डरकर रह जाना है ने भी खूब वाहवाही लूटी। डा. विकास यशकीर्ति ने आज गरीबों की बस्ती मेंए महंगी कारें आई है। लगता है अपने दर पर भावी सरकारें आईं हैं।षाकर सबको मोहित कर लिया।

देशप्रेम से ओतप्रोत गीत

कार्यक्रम में हरियाणवी रागनी के सशक्त हस्ताक्षर कवि नरेश शर्मा पाबड़ा द्वारा गाई गई रागनी रे सुखदेव लाडले बीर साच बता क्यों तोड़ा सांझा सीर सबके आकर्षण का केंद्र रही। राजीव पाराशर सोनीपत द्वारा देशप्रेम से ओतप्रोत गीत, संदीप कौशल की दमदार कविता एवं सीमा रंगा इंद्रा दिल्ली आदि कवि भी कार्यक्रम में शामिल रहे। सूत्रधार की भूमिका में कवयित्री शकुन्तला काजल शकुन रही। जिन्होंने सुंदर शब्दों में कवियों का उत्साहवर्धन तो किया ही साथ ही उनकी रचनाओं और सभी कवियों को एक माला के मोतियों की तरह आपस में जोड़े रखा।

खबर संक्षेप

आरजीएम उचाना को चुना सर्वश्रेष्ठ संस्थान

उचाना। 15 हरियाणा बटालियन एनसीसी जींद द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय खूगां कोठी में 5 मई से 14 मई तक 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। जिसमें विभिन्न संस्थानों के एनसीसी कैडेटस ने भाग लिया। शिविर में बटालियन द्वारा प्रत्येक दिन अलग-अलग विभिन्न प्रकार की खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियां की गई। शिविर में होने वाली गतिविधियों में राजीव गांधी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। श्रेष्ठ प्रदर्शन करते कई मेडल भी प्राप्त किए। शिविर में कैडेटस के श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर और कैडेटस के अनुशासन को देखते कैंप कमांडर द्वारा राजीव गांधी महाविद्यालय उचाना को सर्वश्रेष्ठ संस्थान (वरिष्ठ वर्ग) में रूप में विजेता घोषित किया। इस उपलब्धि पर कार्यवाहक प्रिंसिपल राजेश श्योकंद ने एनसीसी केयर टेकर ऑफिसर राहुल देव, कैडेटस को बधाई दी।

लिंग जांच करना-करवाना कानूनी अपराध : महेंद्र

जींद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरकरामजी के अंतर्गत गांव अशरफगढ़ में आज जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक एजुकेटर महेंद्र सिंह व स्वास्थ्य सुपरवाइजर तेजवीर सिंह ने की। सभा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान, एचपीवी वैक्सीनेशन व स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के प्रति प्रेरित करना था। ब्लॉक एजुकेटर महेंद्र सिंह व स्वास्थ्य सुपरवाइजर तेजवीर सिंह ने संयुक्त रूप से संबोधित करते कहा कि कन्या भ्रूण हत्या के कारण गिरता लिंग अनुपात हमारे देश के सामने एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है। इस समस्या के समाधान के लिए केवल सरकार ही नही बल्कि समाज के हर व्यक्ति को आगे आना होगा। कहा कि हमें अपनी रूढ़िवादी सोच त्यागनी होगी और यह समझना होगा कि संतान ईश्वर की देन है। लड़का और लड़की दोनों समान हैं। यह भी कहा कि बेटी घर का भार नही बल्कि घर की रोशनी होती है।

भाजपा सरकार की महंगाई से जनता परेशान

नरवाना। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने के बाद भाजपा सरकार द्वारा महंगाई की दूसरी किश्त जारी कर दी है। कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद रणदीप सुरजेवाला ने महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार बोला है। शनिवार को नरवाना में अपने आवास पर सुरजेवाला भवन पर रणदीप सुरजेवाला ने कार्यकर्ताओं का कुशलक्षेम जाना। सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार ने आमजनमानस और गरीब जनता पर महंगाई का नया घातक हमला बोल दिया है। चुनाव नतीजे के 11वें दिन भाजपा सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दामों में प्रति लीटर तीन रुपये बढ़ोत्तरी कर दी है। सीएनजी के दामों में भी प्रति किलो दो बढ़ोतरी हुई है। देश में करीब 70 प्रतिशत माल ढुलाई सड़क मार्ग से होती है। डीजल के दाम बढऩे से सब्जी, अनाज, दूध, दवा, राशन, एफएमसीजी शाहिद तमाम उत्पादों की ढुलाई महंगी हो गई है।

सूर्य पुत्र शनिदेव ब्रह्मांड के सर्वोच्च न्यायाधीश : शर्मा

जींद। आचार्य पवन शर्मा ने कहा कि ब्रह्मांड के सर्वोच्च न्यायाधीश हैं सूर्य पुत्र बाबा शनिदेव। भगवान महादेव के परम भक्त हैं बाबा शनिदेव। ब्रह्मचर्य की मूरत हैं बाबा शनिदेव। भगवान शनिदेव जिन पर कृपा करते हैं उनके यहां अन्न-धन के भंडार भरपूर हो जाते हैं और बाबा उनकी सम्पूर्ण कामनाओं को पूर्ण कर देते हैं। आचार्य पवन शर्मा शनिवार को माता वैष्णवी धाम में शनि जयंती के उपलक्ष में आयोजित धार्मिक समारोह में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। शनि भक्तों ने इस अवसर पर बाबा शनिदेव का महाभिषेक व श्रंगार कर उनका आर्शीवाद प्राप्त किया। आचार्य ने कहा कि सामान्यतः हम लोगों के हृदय में बाबा के प्रति ऐसी भ्रांति उत्पन्न हो गई है कि बाबा केवल अनिष्ट ही करते हैं, किन्तु वास्तव में ऐसा नहीं है। बाबा केवल हमें अपने कर्मों के अनुरूप फल की प्राप्ति कराते हैं। सत्कर्म कर्ता को बाबा अपनी कृपा से मालामाल कर दिया करते हैं, इसके विपरीत असत कर्म करने वालों को बाबा के कोप का भाजन बनना पड़ा है।

पुस्तकों की प्रदर्शनी व बिक्री का समापन 18 को

जींद। संत शिरोमणि श्री सेन भगत राजकीय महाविद्यालय जींद में आयोजित पुरानी एवं बहुमूल्य पुस्तकों की प्रदर्शनी व बिक्री अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। यह प्रदर्शनी महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। प्रदर्शनी के आयोजन एवं संचालन में जूनियर लाइब्रेरियन सुनील, रिस्टोरर रितु रानी तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रिया का विशेष योगदान रहा है। महाविद्यालय के गल्र्स कॉमन रूम पोर्च में प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक आयोजित इस प्रदर्शनी में साहित्य, इतिहास, विज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं सहित विभिन्न विषयों की उत्कृष्ट एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकें आकर्षक 75 प्रतिशत तक की विशेष छूट पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह प्रदर्शनी सोमवार 18 मई को संपन्न हो जाएगी, जिससे पुस्तक प्रेमियों के लिए अब यह अंतिम अवसर होगा।

राजकीय कालेज का वार्षिक दीक्षांत समारोह 19 को

जींद। संत शिरोमणि श्री सैन भगत राजकीय महाविद्यालय जींद के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने कहा कि कालेज का 59वां वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह 18 को तथा 56वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 19 मई को बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामयी वातावरण में आयोजित किया जाएगा। 18 मई को आयोजित होने वाले 59वें वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में सत्र 2024-25 के विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल एवं अन्य उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर लगभग 500 विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में सीआरएसयूए जींद के कुलपति प्रो. डा. राम पाल सैनी उपस्थित रहेंगे। प्राचार्य सत्यवान मलिक शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि 19 मई को आयोजित होने वाले 56वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में सत्र 2024-25 के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

क्लास रेडिनेस प्रोग्राम में जॉयफुल रहा शनिवार

जींद। जिले के सभी 423 प्राथमिक विद्यालयों में चल रहे क्लास रेडिनेस प्रोग्राम के तहत आयोजित जॉयफुल शनिवार गतिविधियों ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और सीखने की नई ऊर्जा भर दी। यह कार्यक्रम न केवल बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो रहा है बल्कि शिक्षकों में भी नई प्रेरणा और जुनून का संचार कर रहा है। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने बताया कि क्लास रेडिनेस प्रोग्राम वास्तव में बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध हो रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में जिज्ञासा, अनुशासन और आगे बढऩे की ललक बढ़ी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि बच्चों को खेल, कला और अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर मिलना चाहिए। इसी उद्देश्य से जॉयफुल शनिवार जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिनसे बच्चों में सीखने की प्रक्रिया आनंददायक बन रही है।

सीएम सैनी की कथनी-करनी में अंतर नहीं: अत्री

उचाना। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि विकसित उचाना का सपना पूरा हो रहा है। उचाना विकास रैली में पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा उचाना के विकास को लेकर जो मांगे मंजूर की थी उन पर काम शुरू होने लगा है। सीएम की कथनी करनी में कोई अंतर नहीं है। सीएम नायब सिंह सैनी जो कहते है वो करते है। निरंतर नायाब फैसले लेकर जनहित में वो कार्य कर रहे है। आज विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। सीएम की लोकप्रियता हरियाणा ही नहीं बल्कि आस-पास के राज्यों में भी बढ़ रही है। चुनाव में जिस भी राज्य में जिस विधानसभा सीट पर प्रचार के लिए गए वहां पर भाजपा को जीत मिली। सीएम नायब सिंह सैनी की खुद विपक्ष के विधायक भी प्रशंसा करते है। ऐसा सीएम आज तक नहीं देखा जो रात के 12 बजे भी लोगों से मिलता हो। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा के लिए जनता ने हमें चुनकर विधानसभा भेजा है। जितना हो सके उतनी कोशिश रहती है ताकि आमजन के काम अधिक से अधिक करें।

नहरों में नहाने पर जिला पुलिस ने लगाई रोक

जींद। पुलिस ने नहरों में नहाने से होने वाले हादसों को रोकने के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। गर्मी के बढ़ते तापमान के साथ नहरों, तालाबों व अन्य जल स्रोतों में नहाने के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने आमजन के लिए विशेष सुरक्षा एडवाइजरी जारी की गई है। अभिभावकों से अपील की कि वह बच्चों को नहरों व तालाबों में नहाने से रोकें। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि नहरों में नहाना, नहर के किनारे बैठे कर शराब पीना या किसी अन्य प्रकार का नशा करके जल स्रोतों के आसपास बैठना न केवल खतरनाक है बल्कि कानूनन भी गलत है। ऐसे मामलों में पुलिस द्वारा नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने शनिवार को कहा कि हर वर्ष गर्मियों के दौरान कई युवक व बच्चे बिना सुरक्षा उपायों के नहरों, तालाबों और अन्य गहरे जल स्रोतों में नहाने चले जाते हैं। इससे हादसों की आशंका बढ़ जाती है।

होमगार्ड जवान के खाते से 1.5 लाख रुपये गायब

जींद। साइबर ठगो ने होमगार्ड जवान के फोन को हैक कर खाते से एक लाख 85 हजार 856 रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने होमगार्ड जवान की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव पेगां निवासी प्रदीप ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि वह होमगार्ड में नौकरी करता है। गत तीन मार्च को वह घर पर था। अचानक उसके मोबाइल फोन के सिम ने काम करना बंद कर दिया। जिस पर वह गांव नगूरां चला गया और अपने बैंक खाते की जांच की तो उसके खाते से एक लाख 85 हजार 856 रुपये गायब मिले। प्रदीप ने आरोप लगाया कि साइबर ठगों ने उसका फोन हैक कर राशि को हड़पा है। साइबर थाना पुलिस ने प्रदीप की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खबर संक्षेप

गोवंश की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य : श्रवण

पूंडरी। हरियाणा गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की पहचान है तथा गौवंश की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गौशालाओं को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। श्रवण कुमार जयराम आदर्श गऊशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे। गऊशाला पहुंचने पर कमेटी सदस्यों एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

अमावस्या पर शनि मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पूंडरी। अमावस्या एवं शनि जयंती के पावन अवसर पर पाई मार्ग स्थित प्राचीन शनि मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ एवं धार्मिक अनुष्ठानों का भव्य आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर में आयोजित हवन-यज्ञ का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। विद्वान पंडित बालमुकंद शास्त्री ने विधि- विधानपूर्वक हवन संपन्न करवाया।

गोवंश का परीक्षण कर वैक्सीन लगाई

सीवन। बाबा अमरनाथ गौशाला पाबसर में गौवंश को विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से विशेष वैक्सीनेशन अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें वैक्सीन लगाई गई। गौशाला प्रधान नवाब सिंह ने पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अभियान की निगरानी की। गौशाला प्रधान नवाब सिंह ने बताया कि गौवंश की सेवा और सुरक्षा गौशाला प्रबंधन की प्राथमिकता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर योग शिविर कल

राजौंद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद में सोमवार सुबह 5 बजे योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप ने बताया कि वर्तमान समय में लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नियमित योग और व्यायाम से शरीर मजबूत बनता है तथा बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। इस योग शिविर में आर्य समाज के प्रधान होशियार सिंह आर्य मुख्य योग आचार्य के रूप में उपस्थित रहेंगे, जो प्रतिभागियों को योगासन, प्राणायाम, व्यायाम, यौगिक क्रियाएं, एक्यूप्रेशर थैरेपी तथा संतुलित आहार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेंगे।

साइबर ठगी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

कैथल। ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए थाना साइबर क्राइम पुलिस द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता हुड्डा सेक्टर-19 कैथल निवासी अनमोल मेहंदी रत्ता कि शिकायत अनुसार वह घर पर रहकर ट्रेडिंग एवं ब्रोकिंग का कार्य करता है तथा उसके पास आईसीआईसीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड है।

महासभा को अनाज मंडी से मिला भरपूर सहयोग

पूंडरी। अखिल भारतीय रोड महासभा के अध्यक्ष चौ. बलकार सिंह पूंडरी ने समाज की धरोहर रोड भवनों के सौंदर्यीकरण, आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण के उद्देश्य से 2 दिन अनाज मंडी पूंडरी का दौरा किया। इस दौरान समाज के सम्मानित आढ़ती एवं दानवीर सज्जनों ने दिल खोलकर सहयोग देते समाज कल्याण के लिए लाखों रुपये की सहयोग राशि भेंट की। पहले दिन मंडी की 17 दुकानों पर पहुंचकर समाज के लिए सहयोग एकत्रित किया गया, जिसमें 17 लाख 97 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के शुभारंभ पर बोले कृषि मंत्री

नायब सरकार किसान सहित सभी वर्गों के हितों को समर्पित

मंत्री श्याम सिंह राणा ने एस्कॉर्ट गाड़ी में सफर कर सादगी की पेश की मिसाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। जिसका सीधा लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंच रहा है। सरकार जनसेवा, राष्ट्रवाद और किसान सहित सभी वर्गों के हितों को समर्पित है। कृषि मंत्री शनिवार को कैथल के सूर्यकुंड तीर्थ मंदिर स्थित सभागार में आयोजित पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के शुभारंभ अवसर पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने रीबन खोलकर कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया। मंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे इन प्रशिक्षण शिविरों का उद्देश्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना है, ताकि पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ उठा सकें। साथ ही राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत कर देश को सशक्त बनाने का भी लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों, किसानों, मजदूरों व अन्य सभी वर्गों के लिए योजनाएं क्रियान्वित करती है, ताकि उनका उत्थान हो सके। महिलाओं को आत्मनिर्भरता और समृद्ध बनाने के लिए भी सरकार संकल्पबद्ध है। मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि आगामी 17 मई को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर अंबाला के शहजादपुर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक लोगों से भागीदारी की अपील की गई है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं भी निजी गाड़ी छोड़कर स्कोर्ट वाहन में कार्यक्रम में पहुंचे हैं तथा काफिले में गाड़ियों की संख्या कम की गई है, ताकि ईंधन की बचत हो सके। उन्होंने महाराणा प्रताप जयंती समारोह में भी सभी लोगों से सार्वजनिक वाहनों के माध्यम से पहुंचने का आग्रह किया।

कैथल। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान में भाग लेते हुए।

राजौंद। कृषि मंत्री का स्वागत करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विधायक सतपाल जांबा, सुशील राणा, जिला प्रभारी अमरपाल राणा, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व विधायक लीला राम व कुलवंत बाजीगर, नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, जिला परिषद के चेयरमैन कर्मबीर कौल, मुनीष कठवाड़, रवि तारांवाली, सुभाष हजवाना, राजपाल तंवर, जसवंत पठानिया, कृष्ण शर्मा पिलनी, सुरेश संधु, मनीष शर्मा फरल, बलविंद्र जांगड़ा, शक्ति सौदा एडवोकेट, रविंद्र धीमान, जसवंत पठानिया, अमरजीत छाबड़ा, निधि मोहन, शैली मुंजाल, संगीता कुमारी, हिमांशु गोयल, कुशल पाल के अलावा अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का राजौंद पहुंचने पर किया स्वागत

राजौंद। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के राजौंद पहुंचने उनका भव्य स्वागत किया गया। राजपूत समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं स्थानीय नागरिकों ने मंत्री का भव्य स्वागत किया। इस दौरान श्याम सिंह राणा ने समाज की एकजुटता और सहयोग की भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। मंत्री ने 17 मई को शहजादपुर जिला अंबाला में आयोजित होने वाली 'वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती' के भव्य समारोह के लिए सभी को सादर आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि इस गौरवमयी आयोजन में हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ेगी। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक आयोजन का हिस्सा बनें और महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लें। मंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन त्याग, वीरता और स्वाभिमान का प्रतीक है, जो आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। इस क्षेत्र के कई प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

खुराना के ग्रामीणों ने जड़ा बिजली कार्यालय पर ताला

- बिजली की अनियमित सप्लाई के कारण पानी संकट भी गहराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

गांव खुराना में लगातार लग रहे बिजली कटों को लेकर शनिवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में सैकड़ों महिला-पुरुष बिजली घर पहुंचे और कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली निगम कार्यालय पर ताला जड़ दिया। मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई और पुलिस व ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। मौके पर पहुंचे कैथल के एसडीएम संजय धत्तरवाल और निगम के अधीक्षक अभियंता सोमबीर भलोठिया ग्रामीणों को समझाने के लिए पहुंचे, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। ग्रामीणों ने बिजली निगम और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल ग्रामीण महिला सुमन, लक्ष्मी, संतोष, रीना और सोनिया और ग्रामीण बलकार, बलवान, संदीप और नरेश ने बताया कि गांव में जरूरत के अनुसार बिजली सप्लाई नहीं दी जा रही। उनका आरोप है कि निगम की ओर से 16 घंटे बिजली सप्लाई का दावा किया जाता है, लेकिन गांव में मुश्किल से 10 घंटे ही बिजली मिल रही है। ऊपर से बार-बार कट लगाए जा रहे हैं, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों ने कहा कि भीषण गर्मी में बिजली की अनियमित सप्लाई के कारण पानी संकट भी गहरा गया है। कई बार जैसे ही पानी की सप्लाई शुरू होती है, उसी समय बिजली गुल हो जाती है। इससे घरों में पेयजल तक की समस्या पैदा हो रही है।

कैथल। गांव खुराना में बिजली कार्यालय पर धरना देती महिलाएं।

समाधान का आश्वासन

लोगों का कहना है कि कई बार अधिकारियों को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो गांव के पावर हाउस पर भी स्थायी रूप से ताला जड़ दिया जाएगा। ग्रामीणों ने गांव में कम से कम 16 घंटे नियमित बिजली सप्लाई देने की मांग उठाई। वहीं, बिजली निगम के एसडीओ अमनदीप ने बताया कि ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। एसडीओ का कहना था कि गांव में करीब 90 प्रतिशत बिजली चोरी होती है, जिसके कारण सप्लाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। हालांकि अधिकारियों ने जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

साइकिल से कार्यालय पहुंचे महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विवि के कुलगुरु

- कर्मचारियों से भी पर्यावरण हितैषी साधनों को अपनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली और सादगीपूर्ण कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेन्द्रकुमार अनायत इन दिनों साइकिल से कार्यालय पहुंच रहे हैं। उनके इस प्रयास की विश्वविद्यालय परिसर एवं कैथल में व्यापक सराहना हो रही है। कुलगुरु प्रो. अनायत ने कहा कि साइकिल चलाना न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह प्रदूषण कम करने और ऊर्जा संरक्षण की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वदेशी अपनाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है, जिससे प्रेरणा लेकर हम सभी को देशहित में आगे आना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से भी दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी साधनों को अपनाने का आह्वान किया है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. गोविन्द वल्लभ ने बताया कि कुलगुरु अपने दैनिक कार्यों के लिए साइकिल का उपयोग करना पसंद करते हैं। वे हमेशा कैथल नगर में आवश्यक निजी कार्यों के लिए साइकिल से यात्राएं करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुलगुरु का यह कदम विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है।

कैथल। साइकिल से विवि पहुंचते कुलगुरु प्रो. राजेन्द्रकुमार अनायत।

ग्योंग में छात्रों ने बिखेरी सांस्कृतिक छटा

कैथल। हरियाणवी धुनो पे थिरके विद्यार्थी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्योंग में विद्यालय स्तर पर सांस्कृतिक उत्सव 2026 का आयोजन किया गया। शारीरिक शिक्षा प्राध्यापक अनुप धीमान ने प्रतियोगिता की तैयारी की सांस्कृतिक कार्यक्रम में अनेक प्रतियोगिताएं जैसे ग्रुप डांस, सोलो डांस, रागिनी करवाई गई। प्रतियोगिताओं के ग्रुपडांस में जन्नत मिस्टी, गरिमा, जानवी, माफी, अमनी, जैसमीन की टीम प्रथम, साक्षी, विधि, इन्दू जोवन द्वितीय तथा अमनी, जन्नत की टीम तीसरे स्थान पर रही। सोलो डांस में लतिका प्रथम, जैस्मीन व पलक द्वितीय तथा मिस्टी तीसरे स्थान पर रही। रागिनी में रजनी ने बाजी मारी। प्रधानाचार्य राम निवास ने बताया कि सभी छात्रों ने कड़ी मेहनत या प्रेरणा के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया और आगे भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर यतेंद्र,कमलेश रानी ,मीना शर्मा, मोहन लाल, सिल्की रानी,संजय गुप्ता, डिंपल, रामकुमार,आशा आदि मौजूद रहे।

कैथल। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं। *फोटो : हरिभूमि*

एचपीएससी भ्रष्टाचार और लूट का अड्डा बना: इनेलो

- हरियाणवी की डिग्रियों के ढेर, भर्तियां बाहर के लोगों को किया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि कि एचपीएससी भ्रष्टाचार और लूट का अड्डा बना हुआ है। जहां नौकरियों की बंदरबांट हो रही है और प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हरियाणवी की बजाए दूसरे राज्यों के लोगों को नौकरी दी जा रही है। हरियावी की डिग्रियों के ढेर लगे हैं और नौकरी दूसरे राज्यों के युवाओं को दी जा रही है। इनेलो 18 मई को हरियाणा लोकसेवा सेवा आयोग के कार्यालय का घेराव करेगी। प्रदर्शन के जरिए पार्टी भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और हालिया विवादों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएगी। माजरा सेक्टर-20 स्थिति अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनके साथ इनलो जिलाध्यक्ष अनिल तंवर भी उपस्थित थे । माजरा ने कहा कि एचपीएससी का चेयरमैन बिहारी को बनाया हुआ है।

केंद्र सरकार ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र को कॉर्पोरेट कंपनियों के किया हवाले : रणदीप सुरजेवाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला से किसान भवन पर कैथल कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। एसोसिएशन ने 20 मई को प्रस्तावित अखिल भारतीय कैमिस्ट बंद को लेकर रणदीप सुरजेवाला को विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अवैध ई-फार्मेसी, बड़ी कंपनियों द्वारा दी जा रही भारी डिस्काउंट नीति और नियंत्रित दवाओं की उपलब्धता से जुड़ी गंभीर समस्याओं को केंद्र सरकार तक पहुंचाने की मांग की गई। इस अवसर पर कैथल कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रदीप शर्मा, प्रदीप सेठ, मुकेश नंबरदार, अतुल गुप्ता, ललित मेहता, राजू गोयल, ललित सेठी, विक्की खेत्रपाल, जोगिंद्र मनचंदा व बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

कैथल। सांसद रणदीप सुरजेवाला को ज्ञापन सौपते केमिस्ट।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ जिन्दल हाउस में कार्यक्रम

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किया संवाद

सामाजिक जागरूकता से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में नवीन जिन्दल फाउंडेशन ने कैथल जिले की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम जिन्दल हाउस में आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के नेतृत्व वाली पहलों को मजबूत करना, जमीनी स्तर पर सामने आ रही चुनौतियों को समझना तथा सामुदायिक विकास और आजीविका सृजन के लिए साझा प्रयासों की संभावनाओं को तलाशना था। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए स्वरोजगार, प्रशिक्षण, विपणन, वित्तीय सहायता तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम ने महिलाओं की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

कैथल। जिंदल कार्यालय में महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं।

ये रहे मौजूद

सांसद कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने बताया कि इस संवाद के दौरान उन संभावित क्षेत्रों पर भी चर्चा हुई, जहाँ नवीन जिन्दल फाउंडेशन और स्वयं सहायता समूह मिलकर कार्य कर सकते हैं, ताकि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके और उनके परिवारों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में महिलाओं को कौशल विकास, शिक्षा, स्वरोजगार और सामुदायिक नेतृत्व से जुड़ी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस कार्यक्रम में नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम के सदस्य, मनोज कुमार जिला प्रोजेक्ट मैनेजर, हरियाणा स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन, रवि कुक्कर क्षेत्रीय प्रमुख, रामफल शर्मा, रोहित कैंडल, दीपक चौधरी सहित अनेक अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके साथ-साथ स्वयं सहायता समूह महिला प्रतिनिधियों में सुमन, नीलम, लक्ष्मी, विजेयता, मोनिका, कृष्णा, कविता और सोनिया सहित जिले भर से लगभग 40 महिलाओं ने भाग लेकर अपने विचार और सुझाव सांझा किए।

न्यूज डायरी

कन्या स्कूल ढाण्ड का परिणाम रहा शत प्रतिशत

कैथल। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय ढाण्ड का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय की 54 छात्राओं ने दसवीं की परीक्षा दी थी और वे सभी उत्तीर्ण घोषित की गईं हैं। जारी हुए परीक्षा परिणाम में विद्यालय की लड़कियों ने शानदार सफलता प्राप्त की। हिन्दी अध्यापक रोशन लाल पंवार ने बताया कि पिछले कई वर्षों की तरह इस बार भी स्कूल का परिणाम शत प्रतिशत रहा और लड़कियों ने अच्छे अंक प्राप्त करके विद्यालय, गांव, अभिभावकों तथा अध्यापकों का नाम रोशन किया है । पंवार ने बताया कि खुशी जांगड़ा पुत्री महेंद्र सिंह ने 472 अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आरोही मॉडल स्कूल सौंगरी ने रचा इतिहास

राजौंद। आरोही मॉडल सीनियर सेकेंड्री स्कूल, सौगरी का शत-प्रतिशत परिणाम आने पर ग्राम शिक्षा सेवा समिति सौंगरी एवं गुलियाना द्वारा विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता आहूजा को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, अनुशासित कार्यशैली एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए "सर्वश्रेष्ठ प्रधानाचार्य अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया। समिति सदस्यों ने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है और क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहा है।

खरकां स्कूल के मेधावियों को किया सम्मानित

सीवन। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरकां में 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत खरकां के सरपंच जोनी ग्रोवर व पंचायत सदस्यों ने पहुंचकर मेधावी विद्यार्थियों, प्राचार्य राकेश कौशिक और स्टाफ सदस्यों को शानदार परिणाम के लिए बधाई दी। विद्यालय में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा गांव में रैली निकालकर अभिभावकों को सरकारी विद्यालयों में बच्चों का दाखिला करवाने के लिए जागरूक किया गया।

कैलरम में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

राजौंद। शहीद सिपाही रामचंद्र राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैलरम का 10 वीं व 12 वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत आने पर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया ।विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार ने बताया कि 12 वीं कक्षा के आर्ट्स संकाय में 65 तथा साइंस संकाय में 15 विद्यार्थी थे और सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। आर्ट्स संकाय में कोमल ने प्रथम, आशु द्वितीय तथा स्माइल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं नॉन-मेडिकल संकाय में देवकी प्रथम, नेहा द्वितीय और स्वीटी तृतीय स्थान पर रहीं। 12 वीं कक्षा में कुल 30 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया।इसी प्रकार 10 वीं कक्षा का परिणाम भी सराहनीय रहा। सुनीता ने 485 अंक प्राप्त कर ब्लॉक के सभी सरकारी स्कूलों में प्रथम स्थान हासिल किया। प्रीति ने द्वितीय तथा आदित्य तृतीय स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

कष्ट निवारण समितियों के अध्यक्ष पद में फेरबदल

नरवाना। हरियाणा सरकार द्वारा निकाय चुनाव के बाद जिला कष्ट निवारण समितियों के प्रभार में बड़ा फेरबदल किया है। नरवाना से विधायक कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को अंबाला और फतेहाबाद का जिला कष्ट निवारण समिति का अध्यक्ष बनाया है और राज्य मंत्री गौरव गौतम को जिला जींद कष्ट निवारण समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज से सिरसा से जिला कष्ट निवारण समिति का प्रभार लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनके पास रख लिया है।

चोरी की बाइक समेत एक आरोपित गिरफ्तार

जींद। शहर थाना पुलिस ने गांव किनाना निवासी दीपक को चोरी की बाइक समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शहर थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि सुभाष नगर निवासी लखमी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 मई को देवीलाल चौक से उसकी बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। तकनीकी जांच व साक्ष्यों के आधार पर शहर थाना पुलिस ने गांव किनाना निवासी दीपक को गिरफ्तार किया।

जबरन गेहूं काटने, कब्जे का प्रयास, चार नामजद

जींद। गांव खेड़ा खेमावती में जबरन फसल काटने तथा जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सफीदों निवासी सतबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी गांव खेड़ा खेमावती में कृषि योग्य जमीन है। जिस पर उन्होंने गेहूं की फसल बिजी हुई थी। जमीन को लेकर गांव खेड़ा खेमावती निवासी जयभगवान से विवाद चला आ रहा है।

पत्थरों से मारपीट कर किया घायल

कैथल। कैथल थाना कलायत पुलिस ने मारपीट का एक मामला दर्ज किया है। गांव सिनद के सेवाराम ने कलायत पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 मई को रात के करीब 9:30 बजे 5-6 लड़के उनके घर पर आए तथा उन्होंने पत्थरों से हमला करते हुए उन्हें घायल कर दिया। यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। बाद में आसपास के लोगों के आने के कारण आरोपी वहां से फरार हो गए। मामले के जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक जसवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिस्तौल तथा तीन जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा

जींद। सीआईए स्टाफ ने नरवाना के रजबाहा पुल पर युवक को काबू कर उसके कब्जे से एक पिस्तौल तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। शहर थाना नरवाना पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ कर्मी नरवाना के दबलैन रोड पर जा रहे थे। उसी दौरान रजबाहे की पटरी पर खड़ा युवक पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगा। जिसे पुलिसकर्मियों ने काबू कर लिया। पुलिस ने जब युवक की तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक पिस्तौल तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए।

बिना नंबर प्लेट के 52 व बुलेट चालकों के 4 चालान

कैथल। पुलिस द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर, बिना नंबर प्लेट तथा प्रेशर हॉर्न लगाकर वाहन चलाने वालों पर विशेष निगरानी रखते कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जिला भर में विशेष अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के चालान किए तथा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कई चालक अपनी बाइक में मॉडिफाइड साइलेंसर लगवाकर पटाखे जैसी तेज आवाज निकालते हैं, जिससे आमजन में दहशत का माहौल बनता है तथा सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त कुछ चालक बिना नंबर प्लेट तथा प्रेशर हॉर्न का प्रयोग कर यातायात नियमों की खुलेआम अवहेलना करते हैं। विशेष अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान बिना नंबर प्लेट के चल रहे 52 वाहनों के चालान किए गए, जबकि मॉडिफाइड साइलेंसर लगी 4 बुलेट मोटरसाइकिलों के भी चालान कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

भुरायण में बिजली लाइन को ठीक करते समय करंट से लाइनमैन की मौत

पोस्टमार्टम न होने पर गुस्साए परिजनों ने जींद-गोहाना मार्ग पर लगाया जाम

परिजनों के लामबंद होने पर कार्रवाई के लिए पहुंचा चिकित्सक

बिजली के तेज झटके ने ऊपर से नीचे फेंक दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव भुरायण के खेतों में बिजली लाइन को ठीक करते समय करंट लगने से लाइनमैन की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। मृतक बिजली कर्मी की पहचान गांव खोखरी निवासी बिजेंद्र के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर परिजन, ग्रामीण तथा सहयोगी कर्मी अस्पताल पहुंचे। काफी समय तक पोस्टमार्टम कार्रवाई पूरी न होने पर गुस्साए परिजनों ने जींद-गोहाना मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम लगने की सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्वास्थ्य अधिकारियों से बातचीत कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। मगर परिजन अपनी मांग पर अड़े रहे। बाद में पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए चिकित्सक अस्पताल पहुंचा। यह है मामलाः मृतक बिजेंद्र के भाई रणबीर ने बताया कि उसका भाई बिजेंद्र 2012 में बिजली निगम में लाइनमैन के रूप में भर्ती हुआ था। 44 वर्षीय बिजेंद्र की ड्यूटी इस समय पिल्लूखेड़ा क्षेत्र में थी। शनिवार को भुरायण गांव के खेतों में बिजली सप्लाई बाधित हो गई थी। बिजेंद्र भुरायण गांव के खेतों में बिजली सप्लाई को ठीक करने के लिए गया था। उसने इसके लिए बिजली निगम से परमिट भी ले रखा था। जब वह पोल पर सप्लाई ठीक करके नीचे उतर रहा था तो अचानक करंट आ गया और बिजेंद्र इसकी चपेट में आ गया। बिजली के तेज झटके ने उसे ऊपर से नीचे फेंक दिया। उसके साथ अन्य बिजली कर्मचारी व आसपास के लोगों ने उसे नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस सूचना पाकर नागरिक अस्पताल में पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। बिजेंद्र के पास दो लड़के हैं। काफी संख्या में सूचना पाकर बिजली कर्मचारी व गांव के लोग अस्पताल पहुंच गए। सभी ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है।

जींद। पोस्टमार्टम करवाने की मांग को लेकर जाम लगाए ग्रामीण।

जींद। घटना की सूचना मिलने पर नागरिक अस्पताल पहुंचे ग्रामीण।

जल्द पोस्टमार्टम करवाया जाए

मृतक बिजेंद्र के शव का पोस्टमार्टम जल्द करवाने के लिए परिजनों ने पुलिस तथा स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा लेकिन लगातार देरी होती रही। जिस पर गुस्साए परिजन जींद-गोहाना मार्ग पर आ गए। जाम लगाए परिजनों का कहना था कि वो समय पर पोस्टमार्टम करवाने के लिए शव को अस्पताल ले आए थे। पोस्टमार्टम के लिए सीएमओ व अन्य अधिकारियों से भी बातचीत की लेकिन कार्रवाई नही हुई। परिजनों का कहना था कि बिना शव के दाह संस्कार के घर में चुल्हा तक नही जलता है। मानवता के नाते ही स्वास्थ्य अधिकारियों को पोस्टमार्टम कर देना चाहिए था लेकिन ऐसा नही हुआ। जाम की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से बातचीत की। परिजनों ने कहा कि जल्द से जल्द पोस्टमार्टम करवाया जाए ताकि दाह संस्कार हो सके। बाद में चिकित्सक व सिविल लाइन पुलिस पहुंची व ग्रामीणों से बातचीत की।

जींद। जाम लगाए कालोनीवासियों को समझाते डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा।

सीवरेज व्यवस्था ठप होने से खफा लोगों ने लगाया जाम

डिप्टी स्पीकर के आश्वासन पर माने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीवरेज के पानी की निकासी न होने, गंदा पानी सड़क तथा गलियों में जमा होने से खफा होकर अजमरे बस्ती तथा आसपास की बस्तियों के लोगों ने शनिवार को भिवानी रोड अंडरपास के निकट पर जाम लगा दिया। शहर थाना प्रभारी भी मौके पर पहुंचे लेकिन जाम नही खोला। आखिरकार हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा मौके पर पहुंचे और जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन देकर लोगो को शांत किया। मौके पर मौजूद अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से गंदे पानी निकासी करने का प्रबंध करने के आदेश दिए।

लगभग एक घंटे लगे जाम के कारण वाहन चालकों तथा लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ा। अजमेर बस्ती तथा आसपास की बस्तियों के लोगों का शनिवार को उस समय गुस्सा फूट पड़ा जब भिवानी रोड तथा बस्तियों की गलियों में सीवरेज का गंदा पानी जमा हो गया। खफा लोग पानी निकासी की मांग को लेकर भिवानी रोड अंडरपास के सामने आ गए और जाम लगा दिया। जिससे देवीलाल चौक-भिवानी रोड मार्ग बाधित हो गया। लोगों का कहना था कि पहले सीवरेज का पानी रेलवे लाइन पार जाता था। अंडरपास निर्माण के दौरान उस निकासी को बंद कर दिया। अब पानी गलियों तथा सड़क पर आ गया। गंदे पानी की बूदबू के कारण उनका घरों में रहना मुहाल हो गया है। इसके अलावा बीमारी फैलने का खतरा भी बना हुआ है। जाम लगने की सूचना पाकर शहर थाना प्रभारी दिनेश कुमार मौके पर पहुंच गए और लोगों को समझाने की कोशिश की लेकिन लोग समस्या के समाधान की मांग पर अड़े रहे। कालोनी के लोगों ने टैंट लगा कर धरना भी शुरू कर दिया। सूचना पाकर डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा लोगों के बीच पहुंचे और नगर परिषद अधिकारियों को मौके पर बुला तुरत समस्या का समाधान करने के आदेश दिए। समाधान पर कार्य शुरू होने के बाद लोगो ने धरना समाप्त कर दिया।

मनरेगा मजदूरों से छल-कपट बर्दाश्त नहीं: नरेश

राजौंद। मनरेगा से जुड़े मजदूरों के साथ किसी भी प्रकार का छल-कपट बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह बात सीटू के जिला सचिव नरेश रोहेड़ा ने कही। उन्होंने बताया कि नरेगा संघर्ष मोर्चा तालमेल कमेटी के राष्ट्रीय सत्र में लिए गए निर्णय के अनुसार 15 मई को जिले के अनेक गांवों में मजदूरों ने एकत्रित होकर सभाएं की और सरपंचों के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। मजदूरों ने मनरेगा को सुचारू रूप से बहाल करने, वीबीजी नियमों को रद्द करने, 200 दिन का रोजगार सुनिश्चित करने तथा प्रतिदिन 700 मजदूरी देने की मांग उठाई। इस दौरान रोहेड़ा, गुलियाना, तारागढ़, कसाना, देबन, तितरम, सहारण, पाडला, खुराना, सिंगरौली, खनौदा, मुदडी, रामना, रमानी, नीम वाला सहित कई गांवों में सभाएं आयोजित की गईं। सभा में मजदूरों ने बताया कि इस बार गेहूं की कटाई पूरी तरह मशीनों से होने के कारण उन्हें सीजन में भी काम नहीं मिला। बेरोजगारी के चलते मजदूर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और कई परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। मजदूरों ने कहा कि सरकार को चाहिए था कि मनरेगा को मजबूत तरीके से लागू कर रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं।

मुठभेड़ के बाद तीन बदमाश काबू, दो को पांव में लगी गोली

- बड़ा बीड़ वन हांसी ब्रांच नहर के पास मुठभेड़, रोहतक में वांटेड थे बदमाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

डिटेक्टिव स्टाफ ने बड़ा बीड़ वन हांसी ब्रांच नहर के निकट मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को काबू किया है। क्रॉस फायरिंग में दो बदमाशों के पांव में गोली लगी है। जबकि एक धरपकड़ के दौरान घायल हो गया। पुलिस ने घटना स्थल से दो पिस्तौल भी बरामद की हैं। बदमाशों पर कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। बदमाश रोहतक में वांटेड थे। घायल बदमाशों को नागरिक अस्पताल मे भर्ती करवाया गया है। डिटेक्टिव स्टाफ को सूचना मिली थी कि हांसी ब्रांच नहर बडा बीड वन के निकट तीन असलहाधारी युवक बैठ कर शराब पी रहे हैं। जिनके पास बाइक खड़ी है और जो किसी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। सूचना मिलने पर डिटेक्टिव स्टाफ ने तीन संदिग्ध युवकों को घेर लिया और उन्हें सरेंडर करने को कहा। जिस पर बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसमें बुलेट प्रूफ जैकेट पहने जवान बाल-बाल बच गया। जबकि एक गोली पुलिस गाड़ी को जा लगी। जवाब में पुलिसकर्मियों ने भी फायरिंग की। जिसमें दो बदमाशों के पांव में गोली जा लगी। जबकि एक बदमाश धरपकड़ के दौरान घायल हो गया। मुठभेड़ की सूचना पाकर अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पांव में गोली लगे बदमाशों की पहचान गांव किलोई रोहतक निवासी भगता (25), गांव ढिगाना निवासी अक्षय (31) के रूप में हुई। जबकि धरपकड़ के दौरान घायल बदमाश की पहचान गांव करेला निवासी अंकित (25) के रूप में हुई। तीनों घायल बदमाशों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भरती करवाया गया है। बताया जाता है कि तीनों बदमाशों पर कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। गत 12 फरवरी को सदर थाना रोहतक इलाके में हुई फायरिंग में तीनों बदमाश वांटेड थे। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से दो पिस्तौल एक बाइक बरामद की है।

घटना स्थल से दो पिस्तौल बरामद

नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाए

एसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि तीन बदमाशों को मुठभेड़ के बाद काबू किया गया है। दो बदमाशों के पांव में गोली लगी है। जबकि एक धरपकड़ के दौरान घायल हुआ है। बदमाशों पर कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल तीनों बदमाशों को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अवैध हथियार रखने का आरोपित गिरफ्तार

जींद। सीआइए स्टाफ पुलिस ने नरवाना की रेलवे कालोनी निवासी अभिमन्यू उर्फ मोनू को अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ अवैध असलहा अधिनियम के मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सीआइए प्रभारी अनूप कुमार ने बताया कि शुक्रवार शाम को उनकी टीम सहायक उपनिरीक्षक रमेश के नेतृत्व में नरवाना में दबलैन रोड के पास गश्त पर थी। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि सुंदरपुरा रोड रजबाहा के पास एक युवक अवैध हथियार लेकर खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को अपनी तरफ आता देख आरोपित युवक ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने काबू कर लिया। आरोपित ने पुलिस पूछताछ में अपनी पहचान रेलवे कालोनी नरवाना निवासी अभिमन्यु उर्फ मोनू के रूप में बताई।

अमेरिका में पबनावा के युवक की मौत, गांव में पसरा मातम

- परिवार ने सरकार से लगाई शव वतन लाने की गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

पबनावा के 37 वर्षीय युवक मुनीश की अमेरिका में संदिग्ध परिस्थितियों में हृदय गति रुकने से मौत हो जाने का दुखद समाचार सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पूर्व पार्षद एवं इनेलो हल्का प्रधान सुरजीत पबनावा ने बताया कि मुनीश कुमार करीब तीन वर्ष पहले अपने परिवार के बेहतर भविष्य और आर्थिक स्थिति सुधारने के उद्देश्य से लाखों रुपये खर्च कर 'डोंकी' के माध्यम से अमेरिका गया था। वहां पहुंचने के बाद उसने मेहनत-मजदूरी कर परिवार की जिम्मेदारियां संभालनी शुरू कर दी थीं, लेकिन अचानक 14 मई को हृदय गति रुकने से उसकी मौत हो गई। इस दुखद घटना की जानकारी अमेरिका में रह रहे उसके साथियों ने परिजनों को दी। मुनीश कुमार अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी चार बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। परिवार में बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी तथा करीब 14 वर्षीय बेटा है। इकलौते बेटे की मौत से परिवार पूरी तरह टूट चुका है। घर में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि मुनीश मेहनती और मिलनसार स्वभाव का युवक था। इधर, परिवार के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती मुनीश के पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने की खड़ी हो गई है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि शव को जल्द भारत लाने में सहायता प्रदान की जाए, ताकि पैतृक का गांव पबनावा में अंतिम संस्कार किया जा सके और परिजन अंतिम बार उसका चेहरा देख सकें।

ग्रामीण सफाई कर्मियों ने 20 तक बढ़ाई हड़ताल

जींद। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन ने शनिवार को दूसरे दिन भी हड़ताल जारी रखी और लघु सचिवालय पर धरना दिया। अध्यक्षता यूनियन के जिला उपाध्यक्ष मनफूल खरेंटी व संचालन सचिव पवन कुमार ने किया। हड़ताल में शामिल सफाई कर्मचारियों को यूनियन के राज्य अध्यक्ष बसाऊ राम ने संबोधित करते बताया कि 19 साल से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का भयंकर शोषण हो रहा है। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को न कर्मचारी का दर्जा दिया जा रहा और ना ही पूरा वेतन दिया जा रहा है। कहा कि शहरी और ग्रामीण सफाई कर्मचारी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। राज्य कमेटी की ऑनलाइन बैठक में ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा ने अपने संघर्ष को जारी रखते हुए राज्यव्यापी हड़ताल को 20 मई तक जारी रखने का निर्णय लिया है।

अमावस्या पर पितृ तर्पण....

जींद। ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर शनिवार को पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान कर पितृ तर्पण किया और सुखद भविष्य की कामना की। ऐतिहासिक पिंडतारक तीर्थ पर शुक्रवार शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा। शनिवार सुबह से ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्यान्ह के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आएं श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस्या पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है।

इंडस में स्कूल कैबिनेट शपथ ग्रहण समारोह, बच्चों को लक्ष्य निर्धारित करके लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा दी

अरनव ने हेड ब्वाय और राधिका ने ली हेड गर्ल की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को सत्र 2026-27 के लिए स्कूल कैबिनेट का चुनाव किया गया। इसमें इंडस संस्थाओं के निदेशक सुभाष श्योराण ने मुख्यअतिथि और इंडस संस्थाओं के कॉर्डिनेटर प्रवीन परूथी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर स्कूल निदेशिका रचना श्योराण, प्राचार्या अरूणा शर्मा, उप प्राचार्य प्रवीन कुमार, मुख्याध्यापिका गुरमीत कौर ने मुख्यअतिथि और विशिष्ट अतिथि का हार्दिक अभिनंदन किया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुभाष श्योराण, विशिष्ट अतिथि प्रवीन परूथी और स्कूल प्रबंधन कमेटी ने दीप प्रज्वलित एवं ध्वजारोहण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वागत नृत्य और प्रेरक नृत्य के साथ किया। मुख्य अतिथि सुभाष श्योराण की अध्यक्षता में नई कैबिनेट को विधिवत पद, गोपनीयता एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। कैबिनेट में कक्षा बारहवीं के छात्र अरनव को सीनियर हेड ब्वॉय, कक्षा बारहवीं की छात्रा राधिका को सीनियर हेड गर्ल के रूप में शपथ दिलाई गई। कक्षा ग्यारहवीं से दिग्विजय को सहायक हैड ब्वॉय और इप्शिता को सहायक हैड गर्ल के रूप में शपथ दिलाई गई। कक्षा आठवीं के छात्र आरव को जूनियर हैड ब्वॉय, अलिशा को जूनियर हैड गर्ल और कक्षा सातवीं से जूनियर सहायक हैड ब्वॉय सुगम, जूनियर सहायक हैड गर्ल मायरा, कक्षा ग्यारहवीं से विशेषता ने सीनियर खेल सचिव की शपथ ग्रहण की। कक्षा बारहवीं से साक्षी, कक्षा दसवीं से दीक्षाए कक्षा नौवीं से रिधिमा और कक्षा आठवीं से मौलिक स्कूल छात्र नेता, ग्यारहवीं से सांस्कृतिक सचिव स्वस्ति, ग्यारहवीं से असेम्बली कॉर्डिनेटर (समन्वयक) वंश, नौवीं से असेम्बली कॉर्डिनेटर (समन्वयक) अनुष्का, ग्यारहवीं से अनुशासन कॉर्डिनेटर (समन्वयक) अराध्या, कक्षा दसवीं से अनुशासन कॉर्डिनेटर (समन्वयक) थीसिया और नौवीं से जेसमीन, शिवालिक सदन से ग्यारहवीं से कैप्टन लक्ष्य, कक्षा नौवीं से वाइस कैप्टन रिधम, विंध्या सदन से ग्यारहवीं से कैप्टन लावण्या, नौवीं से वाइस कैप्टन मोक्ष, अरावली सदन से कक्षा ग्यारहवीं से कैप्टन अंजलि, कक्षा नौवीं से वाइस कैप्टन चाहत और नीलगिरि सदन से कक्षा ग्यारहवीं से कैप्टन देव, कक्षा नौवीं से वाइस कैप्टन अवंतिका ने अपना पदभार संभालते शपथ ग्रहण की।

सत्र 2026-27 के लिए स्कूल कैबिनेट के साथ इंडस निदेशक सुभाष श्योराण व अन्य।

अनुशासन का पालन करने का आह्वान

मुख्य अतिथि सुभाष श्योराण ने बच्चों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन का पालन करने पर बल दिया। बच्चों को अपना लक्ष्य निर्धारित करके लगातार आगे बढने की प्रेरणा भी दी। उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं के सीबीएसई परीक्षा परिणाम में हमारे स्कूल के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया है। 12वीं के सीबीएसई परीक्षा परिणाम में नॉन मेडिकल संकाय में जिले में प्रथम स्थान, कॉमर्स संकाय में द्वितीय और कला संकाय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। विशिष्ट अतिथि प्रवीन परूथी ने अपने संबोधन में कहा कि सभी छात्रों को भगवान, माता-पिता एवं गुरु से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए उनका सम्मान करना चाहिए। कहा कि इंडस पब्लिक स्कूल जींद के बच्चे राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेकर अग्रणीय रहे हैं।

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

'नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रीमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अकसर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *

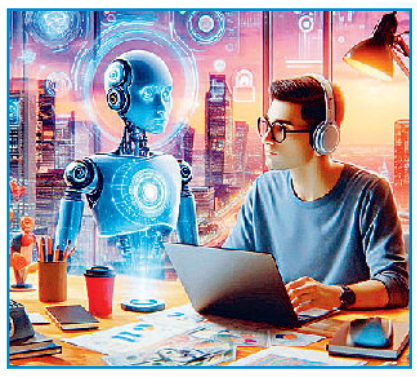

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

{ अपकमिंग ट्रेंड }

अंजू जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्पटिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

{ कविता }

अवतार सिंह अक्षरजीवी

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

पतझड़

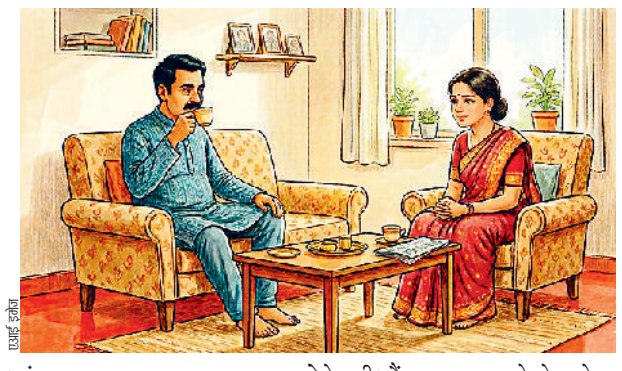

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्रायश्चित कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झौंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

तस्वीर

{ लघुकथाएं }

पा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटा यह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

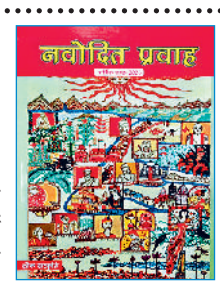

पत्रिका: नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष),
संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 200 रुपए
प्रकाशन स्थल: देहरादून, उत्तराखंड

सुदर्शन सेंड आर्ट म्यूजियम पुरी

ओडिशा के समुद्र तट के पास स्थित इस म्यूजियम की स्थापना मशहूर सेंड आर्टिस्ट सुदर्शन पट्टनायक ने साल 2010 में की थी। इसका उद्देश्य सेंड आर्ट को वैश्विक पहचान दिलाना और सामाजिक संदेशों को कला के माध्यम से प्रस्तुत करना है। यहां रेत से बनी विशाल मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें भगवान श्री जगन्नाथ, पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति, आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषय प्रमुख होते हैं। रेत जैसी साधारण चीज को अद्भुत कला में बदल देना, इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्यतः समुद्र तट पर बनाई गई सेंड आर्ट कुछ समय बाद लहरों से नष्ट हो जाती है, लेकिन यहां विशेष तकनीक और केमिकल ट्रीटमेंट की मदद से स्कल्पचरों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है। अपनी इस अनूठी कला के लिए सुदर्शन पट्टनायक को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान मिल चुका है। *

काइट म्यूजियम अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में स्थित इस काइट म्यूजियम की स्थापना सन 1985 में भानुभाई शाह की पतंगों के निजी संग्रह से हुई थी। यहां पतंगों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक विविधता देखने को मिलती है। यहां भारत और विदेशों की 125 से अधिक अत्यंत दुर्लभ और कलात्मक पतंगें रखी गई हैं, जिनमें जापान, मलेशिया, कोरिया, अमेरिका जैसे देशों की पतंगे भी शामिल हैं। कुछ पतंगें मिनिएचर आकार की हैं, तो कुछ विशाल और अत्यंत कलात्मक हैं। संग्रहालय में हाथ से चित्रित, मिरर वर्क और ब्लॉक प्रिंट वाली पारंपरिक गुजराती पतंगें भी हैं। यहां एक 16 फीट लंबी पतंग भी है, जिस पर उकेरा गया गरबा डांस आने वाले दर्शकों को बरबस ही अपनी ओर खींचता है। उत्तरायण उत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। *

सुधा कार म्यूजियम हैदराबाद

ऑटोमोबाइल डिजाइनर के. सुधाकर द्वारा तेलंगाना के हैदराबाद में स्थापित यह म्यूजियम, दुनिया का पहला हैंडमेड कार म्यूजियम है। यह भारतीय नवाचार, रचनात्मकता और ऑटोमोबाइल के अनूठे संगम को दर्शाता है। सबसे खास बात है कि यहां प्रदर्शित कारें और बाइक, दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीजों के रूपाकार में डिजाइन की गई हैं जैसे- कैमरा, पर्स, जूता, किताब, बर्गर, क्रिकेट बैट, लिपस्टिक, टेबल टेनिस बॉल आदि। सभी गाड़ियां वर्किंग कंडीशन में हैं लेकिन बिक्री के लिए नहीं हैं। यहां दुनिया की सबसे बड़ी तिपहिया साइकिल और सबसे छोटी डबल डेकर बस भी देखी जा सकती है, जिन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी शामिल किया गया है। हर गाड़ी के साथ उसकी निर्माण प्रक्रिया, लागत, अधिकतम गति आदि की जानकारी भी दी गई है। यह म्यूजियम बच्चों-बड़ों सभी को पसंद आता है। *

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा } स्पेशलः इंटरनेशनल म्यूजियम-डे, 18 मई

संग्रहालय यानी म्यूजियम ऐसी जगह होती है, जहां इतिहास, कला, संस्कृति, रक्षा या विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण वस्तुओं का संग्रह और संरक्षण किया जाता है। इसके अलावा कई संग्रहालयों में यूनिक आइटम्स का संग्रह भी किया जाता है। अपने देश में स्थित कुछ अनोखे संग्रहालयों पर एक नजर।

देश के अनूठे म्यूजियम

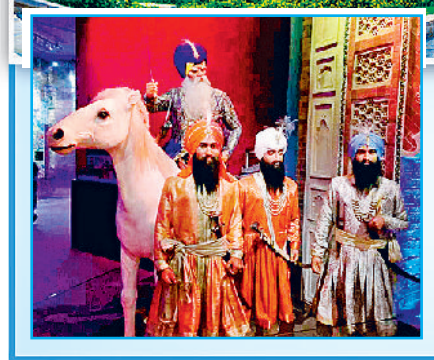

विरासत-ए-खालसा आनंदपुर साहेब

इस संग्रहालय की स्थापना पंजाब में वर्ष 2011 में की गई थी। यहां सिख गुरुओं के जीवन, खालसा पंथ की स्थापना, पंजाब के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक संघर्षों को अत्याधुनिक मल्टीमीडिया तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इसकी इमारत का अनोखा वास्तुशिल्प भी आकर्षण का केंद्र है। विशाल पेंटिंग्स, मल्टीमीडिया लाइट एंड साउंड शो, यहां आने वाले दर्शकों को ऐतिहासिक घटनाओं का जीवंत अनुभव कराते हैं। इस म्यूजियम की गिनती भारत के तकनीकी तौर पर एडवांस म्यूजियमों में की जाती है। *

नेवल एविएशन म्यूजियम गोवा

साल 1998 में गोवा में स्थापित इस म्यूजियम में कई विंटेज विमान और लड़ाकू विमानों में प्रयोग होने वाले हथियार प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही यहां आईएनएस विराट युद्धपोत का मॉडल भी रखा गया है। इस अनोखे म्यूजियम में एवियाफ्लिक्स थिएटर भी है, जहां पर्यटक नेवल एविएशन के बारे में रोचक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। भूख लगे तो यहां बने कॉकपिट कैफे में आराम से बैठकर खा-पी भी सकते हैं। *

आरबीआई मॉनेटरी म्यूजियम मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में संचालित इस म्यूजियम की स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी। यहां मुद्रा से जुड़ी डेढ़ हजार से ज्यादा वस्तुओं का संग्रह है। इस म्यूजियम में छठी सदी से आज तक के सिक्के और नोटों का अच्छा कलेक्शन है। पर्यटक यहां नोटों और सिक्कों के बनने का प्रोसेस भी जान सकते हैं। साथ ही समझ सकते हैं कि करेंसी में किस-किस तरह की सिक्योरिटी फीचर होते हैं। *

इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम बेंगलुरू

2018-19 में कर्नाटक के बेगलुरु में स्थापित यह म्यूजियम, भारत का पहला इंटरएक्टिव म्यूजिक म्यूजियम है। इस म्यूजियम की स्थापना का उद्देश्य भारतीय संगीत की हजारों वर्षों पुरानी परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत करना था। यहां भारतीय संगीत के इतिहास, शास्त्रीय संगीत, लोकसंगीत, सूफी संगीत, फिल्म संगीत और आधुनिक संगीत की यात्रा को डिजिटल डिस्प्ले, ऑडियो इंस्टालेशन और इंटरएक्टिव तकनीकों के माध्यम से समझाया जाता है। म्यूजियम में तबला, सितार, सरोद, वीणा जैसे वाद्ययंत्रों का भी प्रदर्शन किया गया है। दर्शक यहां हेडफोन, टच स्क्रीन और डिजिटल गैलरी के माध्यम से विभिन्न वाद्ययंत्रों को सुनने और स्वयं बजाने का अनुभव भी कर सकते हैं। *

ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम चेन्नई

भारत का पहला ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम की स्थापना तमिलनाडु के चेन्नई में कलाकार ए. पी. श्रीधर ने साल 2016 में की थी। यह म्यूजियम फ्रेंच आर्ट फॉर्म-ट्रॉम्प लोय या दृष्टि भ्रमकारी कला यानी (ऑप्टिकल इल्यूजन) और इंटरेक्टिव आर्ट के लिए मशहूर है। यहां की गैलरियों में दर्शकों को भ्रमित कर देने वाली 24 से अधिक इंटरएक्टिव 3-डी पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। जो आने वाले दर्शकों को एक जादुई दुनिया का अहसास कराती हैं। इनके साथ खड़े होकर फोटो लेने पर ऐसा लगता है, मानो ये पेंटिंग्स जीवित हो गई हैं। यहां आने वाले दर्शक उस दृश्य का हिस्सा-सा बन जाते हैं और उनके साथ फोटो खिंचवाए बिना नहीं रहते। ट्रिक आर्ट म्यूजियम की तर्ज पर अब बेंगलुरू में क्लिक आर्ट म्यूजियम और मुंबई में पैराडॉक्स म्यूजियम भी बनाए गए हैं। *

ब्रेन म्यूजियम बेंगलुरू

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहांस) द्वारा बेगलुरु में स्थापित यह भारत का एकमात्र और विश्व के गिने-चुने ब्रेन म्यूजियमों में से एक है। इस म्यूजियम में 400 से अधिक मानव मस्तिष्क और कई पशु-पक्षियों (जैसे- गाय, मुर्गी, चूहा, बंदर) के मस्तिष्क फॉर्मलीन केमिकल में संरक्षित करके प्रदर्शित किए गए हैं। जिन्हें पिछले 40 वर्षों में वैज्ञानिकों ने एकत्र किया है। इनके अलावा यहां फेफड़े, वोकल बॉक्स, आंतें और मानव कंकाल के नमूने भी हैं। शुरुआत में ये संग्रह मेडिकल छात्रों और शोध के लिए थे, लेकिन अब आम जनता के लिए भी खोले गए हैं। इसका उद्देश्य न्यूरोसाइंस की जानकारी देना, ब्रेन की संरचना, कार्य, विकास और कुछ बीमारियों (जैसे- अल्जाइमर, पार्किंसन, ब्रेन ट्यूमर) से जुड़ी भ्रांतिया दूर करने के साथ अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। यहां पर्यटक असली मानव मस्तिष्क को हाथ में लेकर भी देख सकते हैं, जो रोमांच से भर देता है। *

{ विशिष्ट पेड़ / वीना गौतम }

बहुपयोगी इमली का पेड़

बढ़ती लागत, घटती पैदावार और जल संकट के इस दौर में भारत के किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह ऐसी खेती का चुनाव करें, जो कम खर्च में स्थाई और भरोसेमंद आय दे सके। इस नजरिए से इमली का पेड़ एक अच्छा विकल्प है। लंबे जीवनकाल, कम देखभाल और सूखा सहन करने की इमली के पेड़ में अद्भुत क्षमता के कारण इसे एक बार लगाने के बाद सालों साल लगातार उत्पादन देता रहता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसकी स्थिर मांग बनी रहती है।

आसान है खेतीः खास बात यह है कि इसे खेत की मेढ़ों या बंजर भूमि पर भी उगाया जा सकता है, जो अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है। भारत के सबसे उपयोगी और बहुउद्देशीय पेड़ों में से एक इमली के पेड़ का वैज्ञानिक नाम टैमरिंड्स इंडिका है। यह मूल रूप से अफ्रीका का पेड़ है, लेकिन प्राचीन काल से ही भारत में इसकी समृद्ध मौजूदगी रही है। दक्षिण भारत में विशेषकर कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्य भारत में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में तथा महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के अलावा असम, बंगाल और बिहार में भी इमली के पेड़ बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

आर्थिक-पर्यावरणीय महत्ताः इमली सिर्फ किसानों की आर्थिक आय का ही मजबूत स्रोत नहीं बन सकता बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण पेड़ है। इमली का पेड़ 15 से 25 मीटर तक ऊंचा हो सकता है। यह दीर्घजीवी पेड़ है यानी बहुत आसानी से 100 से 200 सालों तक फलता है। इसका तना मजबूत, मोटा और खुरदुरा होता है। इसकी कैनोपी यानी इसका छत्र, घना और फैलावदार होता है। इसमें छोटी-छोटी कंपाउंड पत्तियां पाई जाती हैं। ये पत्तियां हल्की हरी और मुलायम होती हैं। इमली के पेड़ में छोटे पीले रंग के लाल धारियों के साथ फूल लगते हैं, ये अप्रैल से जून के महीने में लगते हैं और फिर लंबी भूरे रंग की फली जिसके अंदर खट्टा-मीठा गूदा होता है, इसके बीज कठोर और चमकीले होते हैं। इमली के पेड़ का मुख्यतः प्रजनन बीज द्वारा होता है। 25 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड का तापमान इसके लिए आदर्श होता है और जिन इलाकों में सालाना 500 से लेकर 1500 मिलीमीटर तक वर्षा होती है, वहां इसे आराम से लगाया जा सकता है। यह मिट्टी का कटाव रोकता है। पशुओं के लिए छाया और चारा देता है। इमली का पेड़ कार्बन अवशोषण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है और दीर्घकाल में यह खेती की उत्पादकता भी बढ़ाता है। हाल के सालों में इमली के फलों की मांग देश ही नहीं विदेश में भी काफी ज्यादा हुई है। किसानों के लिए इमली का पेड़ कम लागत में ज्यादा लाभ का शानदार जरिया है। इमली के गूदे का भारत में हर जगह विभिन्न तरह के खाए जाने वाले व्यंजनों में उपयोग किया जाता है, विशेषकर सांभर, चटनी, कढ़ी और कई तरह के पेय पदार्थ में इमली का उपयोग होता है। फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में इसकी अच्छी खासी मांग है। टार्टरिक एसिड, पॉलिश और कई किस्म की दवाइयां इसके इस्तेमाल से बनाई जाती हैं। *

{ सक्सेस फंडा / नेहा जैन }

अगर आप जीवन में कुछ बड़ा, कुछ नया पाने की तमन्ना रखते हैं, तो आपको अपने काम करने के तरीके में भी कुछ नयापन लाना होगा।

बदलें पुरानी वर्किंग स्टाइल
लिखें सक्सेस की नई कहानी

सफलता संसाधनों की अधिकता से नहीं, बल्कि सोच की स्पष्टता और काम करने के स्मार्ट तरीकों से मिलती है। अगर सूझबूझ और स्मार्ट तरीके से काम किया जाए तो आपको हैवी फंडिंग या भारी-भरकम टीम की जरूरत नहीं होती है। आपके काम करने का तरीका ही वह असली फंडा है, जो आपको भीड़ से अलग खड़ा करेगा और सफलता के मुकाम तक पहुंचाएगा। इस बारे में जेसन फ्राइड और डेविड हैनमेयर हैनसन की पुस्तक 'रीवर्क' में डिटेल में बताया गया है।

लोगों पर नहीं काम पर करें फोकसः जब भी आप कोई नया काम करने की सोचते हैं, लोग तरह-तरह की बातें करते हैं और कई बार आपको हतोत्साहित करते हैं। ऐसे में आपको अपनी मेहनत और कौशल पर यकीन करना चाहिए। दूसरों के अनुभवों से डरने के बजाय अपने प्रयोग करने चाहिए।

प्लानिंग से ज्यादा जरूरी एक्शनः अत्यधिक योजनाएं बनाने में समय नष्ट न करें। बस शिद्दत से काम शुरू करें, बाकी चीजें समय के साथ स्पष्ट होती चली जाएंगी। यह समझना होगा कि सिर्फ बातें करने से कुछ नहीं होगा। जो आप वास्तव में बना रहे हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करें।

कम में ज्यादा खोजेंः आप कुछ भी करें, बाधाएं तो आएंगी ही। 'मेरे पास पैसे नहीं हैं' या 'मेरी टीम छोटी है' जैसे बहाने बनाना छोड़ें। कम संसाधन आपको समाधान खोजने के लिए मजबूर करते हैं। छोटे बजट में आप फालतू खर्चों से बचते हैं और केवल वही करते हैं, जो सबसे ज्यादा जरूरी है। याद रखिए सीमाएं ही नवाचार की जननी हैं।

अपनी अलग पहचान बनाएंः यदि आप दूसरों की नकल करेंगे, तो भीड़ में खो जाएंगे। अपनी सर्विस या प्रोडक्ट को पर्सनल टच दें। यदि आप काम में अपने अनोखे विचार डालते हैं, तो आपका कॉम्पिटिशन कम हो जाता है। लोग आपकी सर्विस इसलिए लेंगे क्योंकि वह औरों से अलग है।

गलतियों से न डरेंः असफलता अंत नहीं है। असफल होना आपको सिखाता है कि क्या काम नहीं करना है। अपनी गलतियों को सुधारें, गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। याद रखें, काम करने का असली तरीका किताबी नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव होता है।

वर्कोहलिक बनने से बचें: बिना आराम किए दिन में 15-18 घंटे काम करना मेहनत नहीं, बल्कि कुप्रबंधन है। इससे आपकी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी पर बुरा असर पड़ सकता है। असली कुशलता कम समय में गुणवत्तापूर्ण परिणाम देने में है। कम समय में स्मार्ट तरीके से काम करना ही असली कुशलता है।

'ना' कहना भी जरूरीः एक साथ बहुत सारे काम करने की कोशिश में हम अकसर औसत दर्जे का परिणाम देते हैं। फालतू सुझावों और ध्यान भटकाने वाली चीजों को 'ना' कहें ताकि आप अपनी कोर स्ट्रेंथ पर ध्यान केंद्रित कर सकें। 'ना' कहना आपको अपने मुख्य लक्ष्य पर केंद्रित रखता है।

अकेलेपन का समय निकालेंः रचनात्मक काम के लिए गहरी एकाग्रता चाहिए। दिन का कोई एक हिस्सा 'साइलेंस जोन' के लिए रखें, जहां कोई आपको डिस्टर्ब न कर सके। यही वह समय है जब आप अपना 'डीप वर्क' पूरा कर पाएंगे। *

हाल में ही सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर गेम रियलिटी शो 'तुम हो ना' शुरू हुआ है। बतौर होस्ट इसके जरिए राजीव खंडेलवाल ने लंबे अंतराल के बाद टीवी पर वापसी की है। इस शो को एक्सेप्ट करने की क्या वजह रही? लंबे समय तक टीवी से दूर क्यों रहे? शो और करियर से जुड़े कुछ और सवाल राजीव खंडेलवाल से।

मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे: राजीव खंडेलवाल

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने सबसे पहले एकता कपूर के टीवी डेली सोप 'कहीं तो होगा' से प्रसिद्धि पाई। फिर रियलिटी शो 'सच का सामना' के दो सीजन के दौरान उन्हें खूब लोकप्रियता मिली। लंबे गैप के बाद राजीव एक बार फिर महिलाओं के सम्मान और खुशी पर आधारित गेम-रियलिटी शो 'तुम हो ना' होस्ट करते नजर आ रहे हैं। यह शो खासतौर पर उन महिलाओं को लेकर बनाया गया है, जो अपने घर की बॉस हैं और मुश्किलों से भरी जिंदगी जीकर अपना मुकाम बना चुकी हैं। हाल ही में हुई लंबी बातचीत में राजीव खंडेलवाल ने इस शो से जुड़े सवालों के बेबाक अंदाज में जवाब दिए। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

'तुम हो ना' रियलिटी शो में क्या खास लगा, जिस वजह से आपने इसे होस्ट करना एक्सेप्ट किया?

खास वजह यही है कि यह शो महिलाओं पर केंद्रित है। 'तुम हो ना' महिलाओं का शो है, जिसमें कॉमन महिलाएं आती हैं, और अपने दिल की बातें, अपना संघर्ष अपनी खुशी और गम हमारे साथ शेयर करती हैं। हम उनको गेम्स खिलाते हैं, उनका मनोरंजन करते हैं। इस शो में कई मां-बहनें अलग-अलग शहरों से अपने अनुभव लेकर आती हैं और अपना अनुभव हमारे साथ साझा करती हैं।

इस शो के लिए क्या आपने अपने ड्रेसिंग स्टाइल पर भी खास ध्यान दिया है?

हां, मेरी स्टाइलिस्ट ने कहा कि इस शो के लिए अगर हम ड्रेसिंग में महिला की ज्वेलरी का इस्तेमाल करेंगे तो बहुत अच्छा लगेगा। मैंने अपने ड्रेस में महिलाओं की ज्वेलरी जैसे बिंदी, पायल, मांग टीका, झुमके आदि का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा बांदनी चुन्नी का भी उपयोग किया है। पहले मैं थोड़ा असमंजस में था, लेकिन बाद में जब लोगों ने तारीफ की तो मुझे लगा कि यह वाकई स्टाइलिश लग रहा है। सच कहूं तो इस शो में इस तरह की ड्रेस पहनने का पर्पस मेरी ओर से महिलाओं को खास अंदाज में ट्रिब्यूट देना है।

'तुम हो ना' से पहले आपने काफी लंबा गैप लिया। इतना लंबा ब्रेक लेने के पीछे क्या खास वजह रही?

मनपसंद रोल नहीं मिल रहा था। एक ही तरह के रोल ऑफर हो रहे थे, जो तीन-चार साल तक चलने वाले डेली सोप के थे। मैं इतने लंबे समय वाले सीरियल नहीं करना चाहता था। मैंने कभी भी काम के लिए 'ना' नहीं कहा, लेकिन अच्छा काम न होने की वजह से मुझे गैप लेना पड़ा। पैसों की ऐसी भी किल्लत नहीं थी कि मुझे अनाप-शनाप काम करना पड़े। मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे और जिसमें मुझे देखकर दर्शक खुश हो। सोनी का यह शो जब ऑफर हुआ, तो मुझे इसका कॉन्सेप्ट बहुत यूनीक और अच्छा लगा, इसलिए मैंने यह शो एक्सेप्ट कर लिया।

शो 'तुम हो ना' में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए राजीव खंडेलवाल

'सच का सामना' और 'तुम हो ना', दोनों रियलिटी शोज में आपको मुख्य तौर पर क्या फर्क नजर आता है?

दोनों ही शोज रियलिटी से जुड़े हैं। दोनों में ही आम लोग पार्टिसिपेट करते हैं। फर्क यह है कि 'सच का सामना' में आम लोगों ने अपनी जिंदगी के कड़वे-सच्चे अनुभवों के बारे में बताया, जबकि 'तुम हो ना' शो में उन आम महिलाओं की कहानी है, जिन्होंने अपना जीवन अपने परिवार को समर्पित करके परिवार की स्टार बनीं। वह घर की मांएं, बेटियां और बहनें हैं, जिनकी मर्जी के बगैर घर में कुछ नहीं होता। 'सच का सामना' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रिलेटेबल और अलग हटके कॉन्सेप्ट होने के कारण 'तुम हो ना' को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

आपने कुछ समय पूर्व एक वेब सीरीज भी की 'अमर विश्वास', जो कोर्ट रूम ड्रामा पर केंद्रित है। क्या यह सच है कि अब आपको टीवी डेली सोप से ज्यादा वेब सीरीज में काम करना पसंद है?

नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और मुझे जहां अच्छा रोल मिलेगा, मैं करना चाहूंगा, फिर चाहे वह फिल्म हो, टीवी हो, वेब सीरीज या थिएटर ही क्यों ना हो। मैं वह सब काम करूंगा, जिसमें मेरी दिलचस्पी है, जैसे कि थिएटर करने में मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है। क्योंकि वहां पर लाइव ऑडियंस मिलती है।

आपने फिल्म, टीवी और वेब सीरीज के अलावा थिएटर भी किया है?

हां, मैंने एक थिएटर किया था 'कोर्ट मार्शल' जो जी-टीवी के लिए था। इसमें मैंने वकील की भूमिका निभाई थी। लाइव ऑडियंस के सामने आधा-आधा घंटे के दो भाग में मेरा परफॉर्मेंस था। लाइव ऑडियंस के अलावा एनएसडी के थिएटर कलाकारों ने जब मेरी एक्टिंग की तारीफ की तो मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि मिली। मेरा मानना है कि थिएटर में किया गया अभिनय सबसे मुश्किल होता है, बावजूद इसके थिएटर के कलाकारों को कोई अवार्ड नहीं मिलता, इस बात का मुझे दुःख है। *

घर की महिलाएं होती हैं रियल स्टार

'तुम हो ना' महिलाओं पर केंद्रित शो है, जिसे राजीव होस्ट कर रहे हैं। उनकी पर्सनल लाईफ में महिलाओं की क्या भूमिका रही है, इस बारे में पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी जिंदगी में बचपन से लेकर आज तक महिलाओं का प्यार मां, बहन और पत्नी के रूप में हमेशा रहा है। मेरे पिता मिलिट्री में थे इसलिए मैंने अपनी मां के साथ बहुत वक्त बिताया है। आज वह नहीं हैं मेरे साथ लेकिन उनका बहुत बड़ा योगदान मेरे जीवन में है। अच्छे संस्कार और अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा और सीख मुझे मेरी मां से मिली। महिलाओं के सम्मान में मुझे यही कहना है कि जो चमकते हैं, सिर्फ वही स्टार नहीं होते! घर की महिला सदस्य रियल स्टार होती हैं, जो हमें बचपन से सपोर्ट देती हैं, एक अच्छा इंसान बनाती हैं, हमें आगे बढ़ने का हौसला देती हैं।